बी. बी. एच. एफ.– 001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य

(जुलाई, 2011 एवं जनवरी, 2012 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.बी.एच.एफ.–001
भोजपुरी में आधार पाठ्यक्रम

मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

भोजपुरी में आधार पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रमः बी.बी.एच.एफ.–001 / 2011–12

प्रिय छात्र / छात्राओं,

जइसन कि हम ' कार्यक्रम दर्शिका ' में बतवले रहीं कि 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम में एगो सत्रीय कार्य करेके होई । इ निर्णय के अनुसार भोजपुरी में आधार पाठ्यक्रम बी.बी.एच.एफ–001 का केवल एगो सत्रीय कार्य करे के बा। इ सत्रीय कार्य ह । सत्रीय कार्य खातिर 100 अंक निर्धारित कइल गइल बा । इ सत्रीय कार्य खंड 1 से 4 पर आधारित बा ।

उद्देश्य:– शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य के मुख्य उद्देश इ जांचे के बा कि हम पाठय–सामग्री के केतना समझनी अउर हम खुद ओके आपन शब्द में कइसे प्रस्तुत कर सकिला । एहिजवा पाठ्यक्रम सामग्री के पुनः प्रस्तुति से तात्पर्य नइखे बलुक अध्ययनके दौरान जवन कुछ सीखलीं अउर समझलीं उ आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकीं ।

इ पाठ्यक्रम के उद्देश्य भाषा के विभिन्न कौशल के विकास करेके बा । इ कौशल ह सुन के समझल, पढल, बोलल अउर लिखल । ऐकरा खातिर भाषा के आधारभूत तत्व पर अधिकार प्राप्त करेके होई । भाषा सीखे के उद्देश्य इ बा कि हम ओकरा माध्यम से विचार के आदान–प्रदान कर सकीं, विविध विषय के पढ़के हम समझ सकीं अउर आपन शब्द में ओकरा के व्यक्त कर सकीं अउर साहित्य पढ़ के ओकर रसास्वादन ले सकीं । सत्रीय कार्य से इ जान सकिला कि हमनी के भोजपुरी भाषा के व्यावहारिक उपयोग में केतना दक्षता प्राप्त भइल । प्रश्न के उत्तर देवे से पहिले निम्नलिखित निर्देश के सावधानी पूर्वक अध्ययन करेके होई ।

सत्रीय कार्य खातिर आवश्यक निर्देश

1. सत्रीय कार्य के संबंध खंड 1 से 4 तक बा । ऐह में भिन्न प्रकार के प्रश्न पूछल गइल बा जेकर उद्देश्य भाषा के आधारभूत तत्व पर आपन लेखन क्षमता जाँचे के बा । कुछु प्रश्न के उत्तर संक्षिप्त रूप में देवे के बा ।
2. इ सत्रीय कार्य में कुछु प्रश्न निबंधात्मक बा । जेकर उत्तर पठित इकाइयन के आधार पर हमनी के निर्धारित शब्द में देवे के बा। एगो प्रश्न के दिहल गइल अवतरण के भाव पक्ष के व्याख्या पर आधारित बा। एगो दोसरा अन्य प्रश्न में हमनी के दुगो **टिप्पणियां** लिखे के बा । सत्रीय कार्य में व्याकरण संबंधी प्रश्न पूछल गइल बा । **कहावत** अउर **लोकोक्ति** के वाक्य में प्रयोग करेके संबंध में विभिन्न प्रश्न पुछल गइल बा । एगो प्रश्न **निबंध** लिखे के बारे में बा । एगो अन्य प्रश्न साहित्य से संबंधित बा । एगो प्रश्न **आलेख** से संबंधित बा । एह प्रकार से इ प्रश्न से जहाँ एक ओर रउआ में साहित्य संबंधी समझ विकसित होई उहें दूसरका ओर हमनीके भोजपुरी भाषा के आपन प्रयोग में भी सुधार ला सकीला । उत्तर लिखत समय भाषागत शुद्धता के विशेष ध्यान रखे के बा।

उत्तर देवे खातिर हमनी के निम्नलिखित विधि से तैयारी करल जाइ त हमनी खातिर लाभप्रद रही ।

1. सबसे पहिले सत्रीय कार्य के ध्यान से पढ़ीं । फिर एह से संबंधित इकाई के अध्ययन करीं । अन्त में प्रश्न के सबंध में कुछ खास बात नोट करके अउर ओकरा के तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कर लेवे के होई ।
2. **अभ्यास** : उत्तर के प्रारूप लिखे से पहिले नोट कइल गइल बात पर विचार करेके होई । अनावश्यक बात के हटा दिहल जाई । अउर प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार करेके होई । संदर्भ अउर व्याख्या वाला प्रश्न में इ अवश्य जांच लीं कि संदर्भ में कहल गइल बात दिहल गइल अंश के अनुरूप बा कि ना । व्याख्या में भी क्रमबद्धता,तार्किकता अउर स्पष्टता होखे के चाही । व्याकरण संबंधी प्रश्न आ उ प्रश्न जेकर उत्तर एगो–दूगो भा एगो–दूगो पंक्ति में देवे के बा उहां आपन उत्तर पर ठीक तरह से विचार कर लेवे के होई । अगर हम बिना समझे पुस्तक या अन्य कौनो

स्रोत के सहायता से उत्तर दे दिहनी तब ऐकरा से हमनीं के कौनो लाभ ना होई अउर सत्रांत परीक्षा में हमनीं के अइसन प्रश्न के सही उत्तर ना दे सकब । निबंधात्मक अउर टिप्पणीपरक प्रश्न में आरंभ अउर उपसंहार पर विशेष ध्यान देवे के पड़ी । उत्तर के आरंभ में प्रश्न के संक्षिप्त व्याख्या अउर आपन उत्तर के दिशा के संकेत जरूर दे देवे के चाही । मध्य भाग में हमनी के उत्तर के मुख्य भाग क्रमबद्ध अउर तार्किक ढंग से प्रस्तुत करेके पड़ी । उपसंहार में उत्तर के सार देवे के चाही ।

ड़ सुनिश्चित कर लीहीं कि

(क) हमनी के उत्तर तार्किक अउर सुसंगत होखे,

(ख) वाक्यों अउर अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता होखे,

(ग) उत्तर सही ढंग से लिखल गइल हो अउर जवन हमनी के अभिव्यक्त, शैली अउर प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल होखे,

(घ) उत्तर प्रश्न के निर्धारित शब्द से अधिक लंबा ना होखे, अउर

(ङ) हमनी के लेखन में भाषागत त्रुटि ना होखे, विशेष रूप से मात्रा अउर व्याकरण संबंधी गलती से बचे के पड़ी ।

3. **प्रस्तुति:** जब रउआ आपन उत्तर से एकदम संतुष्ट हो जई जा तब ओकरा के साफ अउर सुंदर अक्षर में उत्तर पुस्तिका में लिख लिहीं अउर जवन बात पर जोर देवेके चाहतानी, उ रेखांकित कर दिहीं जा ।

शुभकामना के साथे

भोजपुरी में आधार पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य
खंड–1 से खंड–4 पर आधारित

सत्रीय कोड–बी.डी.एच.एफ.–001/टी.एम.ए./2011–12
कुल अंक – 100

सभे प्रश्न के उत्तर दीं

1. नीचे दिहल गइल वाक्य में से (√) अउर (X) के चिन्ह लगाके सही गलत के पहचान करी। 10

(क) भोजपुरी भाषा नेपाल में भी प्रचलित बा। () सही () गलत
(ख) भोजपुरी भाषा क्षेत्र के पूरबी में मैथिली भाषा प्रचलित बा । () सही () गलत
(ग) राजा मिहिर भोज चौदहवी सदी के शासक रहले । () सही () गलत
(घ) सगुन विआह संस्कार के एगो अंग ह । () सही () गलत
(ङ) चुमावन विआह संस्कार के अंग नइखे । () सही () गलत
(च) "वीर कुँअरसिंह महाकाव्य" भोजपुरी में हरेन्द्रदेव नारायण के लिखल पहिलका महाकाव्य है । () सही () गलत
(छ) बटोहिया के लेखक रघुवीर नारायण रहन। () सही () गलत
(ज) भक्ति काल के अधिकतर संत के रचना भोजपुरी भाषा में बा । () सही () गलत
(झ) भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजन्द्र प्रसाद के जनम भोजपुरी क्षेत्र में न भइल रहे । () सही () गलत
(अ) 'लागी नाही छुहै रामा' भोजपुरी के दूसरका फिल्म रहे । () सही () गलत

2. नीचे दिहल गइल प्रश्नन के उत्तर दु–तीन पंक्तियन में दिही । 5X5 =10

(क) भोजपुरी भाषा क्षेत्र के चारो ओर बोले जाए वाला भाषण के बारे में बताई ।
(ख) मानक भोजपुरी के बारे में बताई ।
(ग) भोजपुरी के आदि कवि कबरा मानल जाला ।
(घ) 'टटका' पत्र कवनाशहर से निकलत रहे ।
(ङ) भोजपुरी के दूगो नाटककार के बारे में लिखी ।

3. निम्नलिखित में से कौनो दुगो पर बीस–बीस पंक्तियन में लिखीं 5X5 =10

(क) कबीरदास
(ख) रघुबीर नारायण
(ग) भिखारी ठाकुर
(घ) डॉ राजेन्द्र प्रसाद

4. सही शब्द चुन के वाक्य पूरा करीं। 5

(क) रैदास _____ के कवि रहन । (मैथिली/भोजपुरी)
(ख) कुअँरवानी _____ के लिखला पुस्तक ह। (किरन/भालु)
(ग) विद्यापति _____ के कवि रहन । (भोजपुरी /मैथिली)
(घ) लुग्गा _____ के पर्याय शब्द ह। (फाक/साड़ी)

5. नीचे लिखल किताब के सामने सही लेखक के नाम रख के मिलान करीं 5

(क) भोजपुरी गजल: उद्भव आ विकास– (कृष्णनन्द)
(ख) भोजपुरी कहानी: विकास आ परम्परा – (जगन्नाथ)
(ग) भोजपुरी के भाषा शास्त्र – (आचार्य रामदेव त्रिपाठी)
(घ) भोजपुरी व्याकरण – (डॉ. राजेन्द्र प्रसाद)
(ङ) भोजपुरी भाषा ओर साहित्य – (डॉ उदयनारायण तिवारी)

6. निम्नलिखित के विलोम शब्द लिखीं –
(क) ऑजोरिया
(ख) अगाड़
(ग) अझुराइल
(घ) कॉच
(ङ) तातल

7. एक पंक्ति में उत्तर लिखीं । 5
(क) तीनगो भोजपुरी पत्रिका के नाम लिखी
(ख) बिरजू के बिआह नाटक वा कि उपन्यास बा?
(ग) भोजपुरी के पहिलका उपन्यास के नाम का ह?
(घ) दूगो भोजपुरी गजलकार के नाम लिखीं।
(ङ) धरीक्षण मिश्र के जनम कवना गॉव में भइल रहे?

8 नीचे लिखल काव्यांश के सप्रसंग व्याख्या करीं। 15

सुन्दर सुभूमि भैया भारत के देवा से, मोरे प्रान बसे हिम–खोह रे बटोहिया
एक द्वार घेरे राम हिम–कोतवलवा से, तीन द्वार सिंधु घहरावे रे बटोहिया
जहु–जाहु भैया रे बटोही हिन्द देखि आउ, जहँवा कुहुँकि कोइल बोले रे बटोहिया
पवन सुगन्ध मंद अगर चननवा से, कामिनी बिरह–राग गावे रे बटोहिया ।

9. पाठ के आधार लेके अनुवाद के महत्व पर एगो निबंध लिखी । 15

10. 'खटिया' निबंध के मुख्य उद्देश्य पर एगो आलेख लिखीं। 10

11. नीचे लिखल विषय में से दुगो पर पचास–पचास पंक्तियन में आपन विचार व्यक्त करीं। 5X5 10
(क) ख्याति प्राप्त भोजपुरियन
(ख) भोजपुरी लोककला
(ग) भाषण कला
(घ) भोजपुरी के पहिलका फिल्म

—X—

SOH/IGNOU/P.O. 5H/July 2011

Printed at : Raj Printer, A-9, B-2, Tronica city, Loni (Gzb.)